रजि. 2199-57 ❋ अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ। ❋ अप्रैल-जून, 2026

उजाला न्यूज़ लेटर

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (लिटरेसी हाउस), लखनऊ

संस्थापिका : डॉ. वेल्दी एच. फिशर

वर्ष-71 अंक : 02

Associate Institutions: Welthy Fisher Children's Academy, Jan Shikshan Sansthan, Lucknow, Kanpur, Dehradun and State Resource Centre.
Phone: 0522-2470268, E-mail: directorilblko@gmail.com, directorlh@rediffmail.com
http://www.indialiteracyboard.org directorilblko@gmail.com india literacy board indialiteracyboard

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की गतिविधियाँ

वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के मेधावी छात्र-छात्राओं का अभिनन्दन समारोह

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा संचालित वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के मेधावी छात्र-छात्राओं का अभिनन्दन समारोह लखनऊ, 02 मई, 2026 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई. ए. एस. (से.नि.), द्वारा यू.पी. बोर्ड की परीक्षा-2026 में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के कक्षा 10 के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में यू.पी. बोर्ड के हाई स्कूल की परीक्षा में कुल 46 विद्यार्थी, अंग्रेजी माध्यम से परीक्षा में सम्मिलित हुए। सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। विद्यालय का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा। कक्षा-10 की छात्रा सुश्री उम्मे हबीबा ने 88.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। सुश्री नाजिश परवीन के द्वारा 88.3 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान तथा सुश्री पलक चौरसिया ने 87.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह के अवसर पर इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई. ए. एस. (से.नि.), ने प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा सुश्री उम्मे हबीबा को कक्षा 11 एवं 12 की उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु 02 वर्ष की अवधि के लिए निरन्तर शिक्षारत रहने पर ₹3000.00 प्रतिमाह की दर से, अर्थात कुल ₹72,000.00 की धनराशि सीधे उनके बैंक खाते में छात्रवृत्ति के रुप में प्रतिमाह प्रदान किये जाने की घोषणा की। अध्यक्ष महोदय ने द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा सुश्री नाजिश परवीन को ₹10,000.00 नकद

एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रा श्री सुश्री पलक चौरसिया को ₹7,000.00 नकद प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। उक्त छात्राओं को प्रशस्ति पत्र (Certificate of Excellence) भी प्रदान किया गया। इसके साथ ही विद्यालय में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले अन्य सभी 43 छात्र-छात्राओं को भी प्रशस्ति पत्र (Certificate of Excellence) प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक एवं सचिव सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने कहा कि साक्षरता निकेतन की स्थापना का मुख्य उद्देश्य उच्च स्तर की शिक्षा एवं साक्षरता का अधिक से अधिक प्रसार करना है। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं के बहुमुखी विकास हेतु संस्था के द्वारा वर्ष पर्यन्त व्यक्तित्व विकास से सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिससे आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप बच्चे अपने आप को ढाल सकें। उन्होंने बताया कि इस विद्यालय में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्र-छात्राओं की संख्या अधिक है और फीस भी बहुत कम है। संस्था का उद्देश्य समाज के अन्तिम छोर पर स्थित परिवार के बच्चों को भी उच्च स्तरीय पठन-पाठन की सुविधा एवं समान अवसर प्रदान किया जाना है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास को दृष्टिगत रखते हुए साक्षरता निकेतन परिसर में फुटबॉल ग्राउण्ड एवं बास्केटबाल कोर्ट की व्यवस्था तथा स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से पढ़ाई की आधुनिक व्यवस्था की गयी है। सभी कम्प्यूटर्स को सिंगल केबिल नेटवर्किंग सिस्टम से जोड़ दिया गया है। □□□

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, द्वारा दिनांक 21 जून, 2026 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर साक्षरता निकेतन परिसर में 'योग दिवस' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निकेतन की समस्त इकाईयों के कर्मचारी, शिक्षक एवं गैर शिक्षणेतर कर्मचारी सम्मिलित हुए। आयोजन में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के प्रशासनिक अधिकारी श्री सुधाकर मान सिंह ने योग के महत्व को बताते हुए कहा कि योग हमारी भारतीय संस्कृति का अनमोल धरोहर है। 'करो योग-रहो निरोग' अर्थात योग करने वाले को कोई रोग नहीं सताता। वह सदैव निरोगी जीवन व्यतीत करता है। योग से तनाव और नकारात्मकता समाप्त होती है। मन प्रफुल्लित रहता है। शरीर और मन में नवीन ऊर्जा का संचार होता है। अतः सभी को अपने जीवन में योग अपनाना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने योग की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया और अपने नियमित जीवन में योग को अपनाने का संकल्प लिया। □□□

साक्षरता निकेतन परिसर में भूमिगत केबलिंग

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड साक्षरता निकेतन परिसर में अभी तक ऊपर लटकते हुए तारों (Overhead Power Line) के माध्यम से विद्युत सप्लाई की व्यवस्था थी। इस व्यवस्था में प्रायः तेज हवा, आँधी-पानी आदि की स्थिति में तार टूट कर गिर जाते थे, जिससे गिरे हुए तारों की चपेट में आने से जनहानि की संभावना बनी रहती थी। सुरक्षा की दृष्टि से इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के उच्च प्रबन्धन के निर्णयानुसार साक्षरता निकेतन परिसर में भूमिगत केबलिंग का कार्य कराया जा रहा है, जो पूर्णता पर है।

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की बैठक सम्पन्न

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की कार्यकारिणी समिति तथा साधारण सभा की बैठकें दिनांक 27 जून, 2026 को सम्पन्न हुईं। बैठकों का कोरम पूर्ण रहा और एजेन्डा में उल्लिखित विन्दुओं के क्रम में सर्व सम्मति से संस्थान के हित में निर्णय लिए गए।

उजाला न्यूज़ लेटर

वर्ष-71, अंक : 02
अप्रैल-जून, 2026

संजय आर भूसरेड्डी
आई.ए.एस. (से.नि.)
अवैतनिक अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सन्ध्या तिवारी,
आई.ए.एस. (से.नि.)
निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सम्पादक
सुधीर कुमार श्रीवास्तव

सम्पादकीय सम्पर्क
सम्पादक, उजाला
साक्षरता निकेतन, पोस्ट-मानस नगर,
कानपुर रोड, लखनऊ-226023
दूरभाष : (0522) 2470268
ई-मेल : ujalamasik1957@gmail.com

कम्पोजिंग एवं डिजाइनिंग
गुड्डू प्रसाद

प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचारों से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

भूमिगत नाली निर्माण का कार्य प्रारम्भ

किसी भी फसल को सिंचाई के लिए पानी की सप्लाई का होना अति आवश्यक है। दूर-दूर तक खेतों में सुगमतापूर्वक पानी पहुँचाने के लिए पाइप लाइन के माध्यम को काफी सुविधाजनक माना जाता है। इस दृष्टि से इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन द्वारा बिजनौर कृषि प्रक्षेत्र पर सिंचन सुविधा के लिए भूमिगत सिंचाई नाली का निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया गया है। □□□

भू-सम्पदा (रेरा) के अभिकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम

रियल एस्टेट, विनियामन और विकास अधिनियम, जिसे हम रेरा के नाम से भी जानते हैं, को रियल एस्टेट सेक्टर में दक्षता, पारदर्शिता और मकान खरीददारों के हितों की रक्षा के लिए वर्ष 2017 से लागू किया गया। प्रापर्टी सम्बन्धी प्रकरण में ग्राहकों को जालसाजों और धोखाधड़ी से बचाने के लिए रेरा अभिकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण और प्रमाण पत्र अनिवार्य कर दिया गया है। इण्डिया लिटरेसी बोर्ड तथा उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के मध्य हुई सहमति के आधार पर साक्षरता निकेतन परिसर में वर्ष 2024 से भू-सम्पदा (रेरा) अभिकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।

इसी क्रम में भू-सम्पदा अभिकर्ताओं का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम साक्षरता निकेतन परिसर में दिनांक 06 से 09 मई, 2026 तक 53 तथा दूसरा दिनांक 20 से 23 मई, 2026 तक 49 अभिकर्ताओं का इस प्रकार कुल 102 अभिकर्ताओं को विषय विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। □□□

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन के वर्तमान सदस्य

1.	श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.)	अध्यक्ष
2.	डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह	उपाध्यक्ष
3.	न्यायमूर्ति श्री एस.यू. खान (से.नि.)	सदस्य
4.	श्री सुभाष कुमार, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
5.	श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
6.	श्री संजीव चोपड़ा, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
7.	श्री भानु प्रताप सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)	सदस्य
8.	प्रोफेसर जे.वी. वैशम्पायन, शिक्षाविद्	सदस्य
9.	सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
10.	कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन	सदस्य
11.	अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. शासन	सदस्य
12.	कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
13.	कुलपति, जी.बी. पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., पंतनगर	सदस्य
14.	कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. वि.वि., कानपुर	सदस्य
15.	कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या	सदस्य
16.	अध्यक्ष, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली	सदस्य
17.	श्री राजेन्द्र सिंह रावत, लेखाकार-कम-कैशियर	वरिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
18.	श्री रमेश चन्द्र यादव, प्रभारी परिसर/स्टोर कीपर	कनिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
19.	सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य-सचिव

कृषि प्रक्षेत्र नीवां एवं बिजनौर की गतिविधियाँ

नीवां कृषि प्रक्षेत्र

धानः वित्तीय वर्ष 2026-27 की अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार नीवां कृषि प्रक्षेत्र पर 14 एकड़ क्षेत्रफल पर धान की रोपाई का कार्य किया जाना है, जिसके लिये नर्सरी की बुवाई का कार्य 26 मई, 2026 को कराया जा चुका है। धान की रोपाई का कार्य जून, 2026 के अन्तिम सप्ताह में किया जाना है।

गन्नाः वित्तीय वर्ष 2026-27 की अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार प्रक्षेत्र पर 12 एकड़ में द्वितीय गन्ना पेड़ी का फसलोंत्पादन लिया जाना प्रस्तावित था। तदोपरान्त, मुख्य महाप्रबन्धक, बलरामपुर चीनी मिल्स की हैदरगढ़ इकाई के सुझाव/संस्तुति पर संस्थाहित में अनुमोदित कार्ययोजना में संशोधन किया गया है।

संशोधित प्रस्ताव के अनुसार प्रक्षेत्र पर 02 एकड़ क्षेत्रफल पर गन्ना की द्वितीय पेड़ी का उत्पादन लिया जा रहा है एवं 01 एकड़ क्षेत्रफल पर नई फसल का उत्पादन लिया जा रहा है। गन्ना की फसल में समय से निराई-गुड़ाई का कार्य कराया जा चुका है तथा गन्ना की फसल में कोराजन रसायन एवं खाद उर्वरक का छिड़काव कराया जा चुका है। कोरोजन रसायन का छिड़काव करने से फसल विभिन्न प्रकार के कीटों के प्रकोप से सुरक्षित रहती है। इस छिड़काव से विशेषकर लार्वानाशक कीटों की बृद्धि पर अंकुश लगता है और फसल सुरक्षित हो जाती है।

फसलोत्पादन की स्थिति अच्छी है। गन्ना की फसल को टाप बोरर कीट से सुरक्षा हेतु फेरोमोन ट्रैप लगाया गया है, जिससे टाप बोरर कीट के जीवन चक्र की प्रक्रिया को रोका जा सके।

हरा चाराः कृषि प्रक्षेत्र से प्राणि उद्यान, लखनऊ को निर्बाध रूप से 13 कुन्तल हरा चारा की प्रतिदिन आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

बिजनौर कृषि प्रक्षेत्र

धानः वित्तीय वर्ष 2026-27 की अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार बिजनौर कृषि प्रक्षेत्र पर 27 एकड़ क्षेत्रफल पर धान की रोपाई का कार्य किया जाना प्रस्तावित है, जिसके लिये धान की नर्सरी की बुवाई के प्रथम चरण का कार्य 25 मई, 2026 को तथा 01 जून, 2026 को द्वितीय चरण की बुवाई का कार्य कराया जा चुका है। धान की रोपाई का कार्य जून, 2026 के अन्तिम सप्ताह में किया जाना है।

गन्नाः वित्तीय वर्ष 2026-27 की अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार प्रक्षेत्र पर 02 एकड़ क्षेत्रफल पर गन्ना की द्वितीय पेड़ी तथा 03 एकड़ क्षेत्रफल पर गन्ना की नई फसल का उत्पादन लिया जा रहा है। गन्ना की फसल में समय से निराई-गुड़ाई का कार्य कराया जा चुका है तथा गन्ना की फसल में कोराजन रसायन एवं खाद-उर्वरक का छिड़काव समय से कराया जा चुका है।

गन्ना को टाप बोरर कीटों से सुरक्षा हेतु फेरोमोन ट्रैप लगाया गया है। फेरोमोन ट्रैप एक सुरक्षित, जहरीले रासायन से मुक्त जैविक कृषि के लिए प्रभावशाली उपाय है। यह कीट पतगों को नियंत्रित कर उनके लार्वा से होने वाले फसली नुकसान को रोकने में अत्यन्त कारगर है। इसके प्रयोग से मिट्टी, पानी तथा पर्यावरण का प्रदूषण भी नहीं होता। यह तकनीक फसल को नुकसान पहुँचाने वाले कीटों से सुरक्षित करती है और मित्र कीटों को कोई हानि नहीं पहुँचाती। हानिकारक कीटों से सुरक्षा मिलने पर फसल अच्छी होती है और उपज में बृद्धि होती है।

दिनांक 30.05.2026 को बलरामपुर चीनी मिल्स की हैदरगढ़ इकाई के प्रतिनिधि द्वारा गन्ना उत्पादन की प्रगति का निरीक्षण किया गया तथा फसलोत्पादन की स्थिति अच्छी होने का उल्लेख किया गया है।

□□□

वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की गतिविधियाँ

शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम :

वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के कक्षा 01 से कक्षा 12 तक के छात्रों के लिए साक्षरता निकेतन परिसर को भलीभाँति जानने और समझने के उद्देश्य से एक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 08-20 अप्रैल, 2026 के मध्य अलग-अलग तिथियों में किया गया। इसमें छात्रों ने कबीर थिएटर, प्रार्थना सभा, पुस्तकालय, जन शिक्षण संस्थान, वेल्दी फिशर आवास सहित सम्पूर्ण कैम्पस का भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों को साक्षरता निकेतन की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर के शिक्षा और समाज सेवा के प्रति समर्पित व्यक्तिव की जानकारी प्रदान की गई। निकेतन परिसर से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर छात्र काफी उत्साहित दिखे।

प्रशिक्षण सत्र का आयोजन :

दिनांक 15 अप्रैल, 2026 को अकादमी के अध्यापकों हेतु एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का उद्देश्य शिक्षण की नवीनतम शैक्षिक प्रक्रियाओं, शिक्षण विधियों, व्याख्यान, भ्रमण और अभ्यास विधि आदि की जानकारी काउन्सलिंग प्रशिक्षिका सुश्री सौम्या तिवारी द्वारा प्रदान की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों ने कक्षा में छात्रों के व्यवहार सुधार, उनकी योग्यता परीक्षण, समस्या समाधान विधि और समग्र मूल्यांकन आदि की बारीकियों को समझा। इस सत्र मे वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के अध्यापक-अध्यापिकाओं के साथ ही इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अन्य विभागों के कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम :

दिनांक 07 मई, 2026 को वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के छात्रों हेतु कैरियर काउंसलिंग के अन्तर्गत 'समाज में शिक्षा की आवश्यकता' विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक सुश्री संध्या तिवारी आईएएस (से.नि.), ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कैरियर काउंसलिंग आपमें स्वयं की कार्यक्षमताओं को जानकर शिक्षा और जीवन के सम्बन्ध में उचित निर्णय लेने की क्षमता विकसित करती है। शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्ति अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है। इसलिए प्रत्येक छात्र को शिक्षा और कौशल की नवीनतम जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है।

इस अवसर पर जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ के उपाध्यक्ष श्री मयंक अग्रवाल ने छात्रों को शिक्षा के सतत विकास से जुड़कर समाज और राष्ट्र की प्रगति में अपना योगदान सुनिश्चित करने का आवाहन किया। कार्यक्रम में अकादमी की प्रधानाचार्या डॉ. अर्चना सिंह ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि कैरियर काउंसलिंग से हमें अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने में सहयोग मिलता है।

□□□

राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र.की गतिविधियाँ

राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. साक्षरता निकेतन लखनऊ द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में क्रमशः जनपद उन्नाव, बहराइच, लखनऊ और प्रयागराज में संचालित साक्षरता कार्यक्रमों के प्रतिभागियों की परीक्षाएँ यथा समय सम्पन्न कराई गईं और साक्षरता परीक्षा में प्रतिभाग करने वाले लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र दिये गए। शत-प्रतिशत परीक्षा कराने वाले प्रेरकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विवरण निम्न प्रकार है:-

जनपद उन्नाव : राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. साक्षरता निकेतन लखनऊ द्वारा जनपद उन्नाव के विकास खण्ड नवाबगंज में न्याय पंचायत अजगैन की ग्राम पंचायत कुशुम्भी में 08 तथा ग्राम पंचायत अजगैन में 09 कुल सत्रह केन्द्र वित्तीय वर्ष 2024-25 में संचालित किए गए। सभी केन्द्रों की परीक्षा दिनांक 10.06.2026 को हुईं। परीक्षा में प्रतिभाग करने वाले सभी 303 लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इनमें से 10 केन्द्रों पर शत-प्रतिशत परीक्षार्थी उपस्थित हुए। अतः शत-प्रतिशत परीक्षा सम्पन्न कराने वाले 10 प्रेरकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए।

जनपद बहराइच : जनपद बहराइच के विकास खण्ड जरवल की न्याय पंचायत निम्दीपुर में दिनांक 11-06-2026 को कुल 30 कार्यात्मक साक्षरता केन्द्रों का संचालन वित्तीय वर्ष 2024-25 में किया गया। सभी केन्द्रों पर शत-प्रतिशत लाभार्थियों ने परीक्षा में प्रतिभाग किया। अतः राज्य संसाधन केन्द्र द्वारा सभी 30 केन्द्रों के 30 प्रेरकों को प्रशस्ति-पत्र तथा 400 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर एक न्याय पंचायत समन्वयक को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

जनपद लखनऊ : जनपद लखनऊ के नगर निगम वार्ड छोटी जुगौली तथा लालबहादुर शास्त्री वार्ड प्रथम में दिनांक 12.06.2026 को वित्तीय वर्ष 2024-25 में संचालित मात्र एक-एक केन्द्र पर क्रमशः लखनऊ नगर निगम वार्ड छोटी जुगौली में 20 के सापेक्ष 17 लाभार्थी तथा लालबहादुर शास्त्री वार्ड प्रथम में 20 के सापेक्ष 15 लाभार्थी परीक्षा में उपस्थित हुए। परीक्षा में प्रतिभाग करने वाले कुल 32 लाभार्थियों को के.के. एकेडमी की प्रधानाचार्या सुश्री लक्ष्मी कौल द्वारा प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया।

जनपद प्रयागराज : जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड माण्डा की ग्राम पंचायत धनावल में राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. साक्षरता निकेतन लखनऊ द्वारा कुल 12 कार्यात्मक साक्षरता केन्द्रों का संचालन वित्तीय वर्ष 2024-25 में किया गया। इन केन्द्रों की परीक्षा दिनांक 15-06-2026 को सम्पन्न कराई गई। सभी 12 केन्द्रों पर शत-प्रतिशत लाभार्थियों द्वारा परीक्षा में प्रतिभाग किया गया। राज्य संसाधन केन्द्र, लखनऊ द्वारा 12 केन्द्रों के प्रेरकों, एक समन्वयक को प्रशस्ति पत्र, एवं कुल 240 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर की गतिविधियाँ

प्रशिक्षण प्रगति : जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा प्रत्येक वित्तीय वर्ष में भारत सरकार द्वारा स्वीकृत कार्य-योजना के अनुरूप व्यावसायिक कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। इस क्रम में माह अप्रैल, 2026 से जून, 2026 प्रति बैच 20 प्रशिक्षणार्थी के अनुसार अभी तक कुल 26 प्रशिक्षण केन्द्रों का संचालन जनपद कानपुर के विभिन्न स्थानों पर किया गया है। इन प्रशिक्षण केन्द्रों में असिस्टेंट कम्प्यूटर ऑपरेटर के पाँच बैच, असिस्टेंट ड्रेस मेकर के चार, ब्यूटी केयर असिस्टेंट के चार, असिस्टेंट हैण्ड इम्ब्राइडर के तीन, असिस्टेंट हेयर ड्रेसर सैलून सर्विसेज (एडवान्स) का एक, जूनियर नेल टेक्नीशियन के तीन, रीटेल सेल्स असिस्टेंट के दो, असिस्टेंट जूट क्राफ्ट प्रोडक्ट मेकर के तीन, कोर्स ऑन कम्प्यूटर कान्सेप्ट का एक प्रशिक्षण बैच संचालित किया गया है। इस प्रकार अब तक कुछ 26 बैच संचालित किए जा चुके हैं।

प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम :

1. जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के गोपाल नगर स्थित प्रशिक्षण केन्द्र पर दिनांक 23 अप्रैल, 2026 को श्रीमती क्षमा शुक्ला, पार्षद, वार्ड-46, यशोदा नगर पूर्वी द्वारा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर उन्होंने सफल प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी श्री कमल किशोर श्रीवास्तव, प्रशिक्षिका संजू शर्मा, सहित असिस्टेंट हेयर ड्रेसर-सैलून सर्विसेज (एडवान्स) प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

2. जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के यशोदा नगर स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में दिनांक 25 अप्रैल, 2026 को श्रीमती सौम्या शुक्ला, पार्षद, वार्ड-95, यशोदा नगर पश्चिमी द्वारा असिस्टेंट कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रशिक्षण के सफल प्रतिभागियों प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। पार्षद महोदया ने संस्थान के कार्यक्रमों की सराहना करते हुए सफल प्रतिभागियों के उज्जवल भविष्य हेतु अपनी शुभकामनाएँ दीं और संस्थान के कार्यक्रमों से लाभ लेने के लिए जागरूक किया।

विश्व पर्यावरण दिवस एवं प्रमाण पत्र वितरण : दिनांक 05 जून, 2026 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के कार्यालय परिसर, सिविल लाइन्स, कानपुर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौध एवं प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, शाखा प्रबन्धक, पंजाब नेशनल बैंक, यूपीएफसी सिविल लाइन्स, कानपुर श्री डी.पी.सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र के साथ ही छायादार एवं फलदार पौधे वितरित किए। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने जीवन में पेड़-पौधों के महत्व को बताया और प्रत्येक व्यक्ति को एक फलदार/छायादार वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कुल 40 छायादार एवं फलदार पौधों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री चन्द्र विजय यादव एवं सीमा गौतम, पंजाब नेशनल बैंक द्वारा संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके असिस्टेंट कम्प्यूटर ऑपरेटर के सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में श्री कमल किशोर श्रीवास्तव, श्री विवेक कुमार वर्मा, एवं संस्थान की प्रशिक्षिकाएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन श्री सुशील कुमार पाठक, निदेशक, जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा किया गया ।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस : जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के सिविल लाइन्स स्थित कार्यालय परिसर में 12वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, दिनांक 21 जून, 2026 के अवसर पर प्रातः

7:00 बजे 'योगा अभ्यास' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षिका प्रीति गुप्ता द्वारा संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों को सूर्य नमस्कार, ताॅड़ आसन, वीर आसन, भ्रामरी, कपालभाती, प्राणायाम, तितली आसन, त्रिकोण आसन आदि का अभ्यास कराया गया। उन्होंने योग के माध्यम से सभी को स्वस्थ एवं निरोगी जीवन के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने बताया कि सम्पूर्ण विश्व में योग की शुरुआत भारत देश द्वारा ही की गयी। योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए काफी उपयोगी है। इस बार अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम "स्वस्थ आयु के लिए योग" रखी गई है। कार्यक्रम में संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी श्री कमल किशोर श्रीवास्तव, सहायक कार्यक्रम अधिकारी सुनील कुमार शुक्ला, श्री विवेक कुमार वर्मा, मनोज कुमार पाण्डेय, प्रशिक्षिका शिखा शर्मा, सविता सिंह एवं निशात फातिमा सहित ब्यूटी केयर असिस्टेंट, असिस्टेंट ड्रेस मेकर एवं असिस्टेंट कम्प्यूटर ऑपरेटर के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

□□□

जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ की गतिविधियाँ

विश्व मजदूर दिवस एवं प्रमाण पत्र वितरण : जन शिक्षण संस्थान, (सा.नि.) लखनऊ द्वारा दिनांक 01 मई, 2026 को विश्व मजदूर दिवस पर गोष्ठी एवं प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन न्यू यूनिक कम्प्यूटर संस्थान मोहनलालगंज एवं जबरौली में किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे ने उपस्थित प्रतिभागियों को मजदूर दिवस का महत्व बताते हुए कहा कि वर्ष 1886 में शिकागो में अपनी माँगों के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों पर पुलिस द्वारा गोली चलाई गई जिसमें कई मजदूरों की मौत हो गई। इसके बाद से ही उन मारे गए निर्दोष श्रमिकों की याद में 01 मई का दिन मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इस अवसर पर जबरोली के ब्यूटी केयर असिस्टेंट तथा न्यू यूनिक कम्प्यूटर संस्थान के ऑफिस असिस्टेंट एवं सी.सी.सी. बैच के प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए सम्मानित किया गया।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस एवं प्रमाण पत्र वितरण : जन शिक्षण संस्थान, (सा.नि.) लखनऊ द्वारा दिनांक 31 मई, 2026 को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर गोष्ठी एवं प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री सौरभ कुमार खरे निदेशक, द्वारा युवाओं को तम्बाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि तम्बाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त हानिकारक है तथा समाज को इसके दुष्प्रभावों से बचाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से तम्बाकू मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने तम्बाकू सेवन न करने एवं दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली।

इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम मिश्रा, प्रशिक्षक प्रियंका त्रिपाठी एवं कोर्स ऑन कम्प्यूटर कॉन्सेप्ट्स (CCC) के लगभग 60 प्रशिक्षणार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता की।

पर्यावण दिवस : कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान (साक्षरता

निकेतन) लखनऊ द्वारा दिनांक 05 जून, 2026 को साक्षरता निकेतन परिसर में पर्यावण दिवस का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे, कार्मिकों एवं प्रशिक्षार्थियों ने कार्यालय परिसर में पौधे रोपित कर पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया। जनपद में संस्थान द्वारा संचालित अन्य प्रशिक्षण केन्द्रों पर भी पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर श्री तपन साहू कार्यक्रम अधिकारी, श्री शुभम मिश्रा, सहायक कार्यक्रम अधिकारी, श्री आदित्य मिश्रा, लेखाकार, श्री गौरी शंकर कम्प्यूटर ऑपरेटर, सहित प्रशिक्षिका सुश्री प्रियंका त्रिपाठी, श्रीमती अंचला देवी, श्रीमती अनीता आनन्द तथा लगभग 60 प्रशिक्षणार्थियों उपस्थित हुए।

ऋण मेला : मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत साक्षरता निकेतन परिसर मे दिनांक 15.06.2026 को ऋण मेले का आयोजन उद्योग विभाग के समन्वय से किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षित युवाओं, महिलाओं एवं स्वरोजगार के इच्छुक लाभार्थियों को उद्योग विभाग के प्रतिनिधि श्री के.के. पाण्डेय द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान एवं बैंक से प्राप्त होने वाली विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी दी गई।

संस्थान के निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे ने प्रतिभगियों को सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने और रोजगार सृजन में योगदान करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के अन्तर्गत लगभग 125 लाभर्थियों ने ऋण हेतु पंजीकरण भी कराया।

कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारी व कर्मचारी, प्रशिक्षक, प्रशिक्षार्थी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस : अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ द्वारा जनपद में संचालित समस्त प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रतिभागियों ने निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे के निर्देशन में योगाभ्यास किया। प्रतिभागियों को योग के लाभ एवं योग आसनों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर साक्षरता निकेतन परिसर में श्री आई. पी. गुप्ता द्वारा भी योगाभ्यास कराया गया, जिसमें संस्थान के कर्मचारीगण सम्मिलत हुए और योगाभ्यास किया। □□□

जन शिक्षण संस्थान, देहरादून की गतिविधियाँ

प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम सहसपुर : जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 10.04.2026 को विकास खण्ड सहसपुर के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 के संचालित केन्द्रों के सफल प्रशिक्षणार्थियों को ब्लॉक सभागर में प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री माननीय श्री बलबीर गुनियाल, प्रदेश मंत्री विनोद कुमार लक्खा, जिला उपाध्यक्ष श्री नवीन रावत, संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल, संदर्भदाता श्रीमती बरखा बहार, श्रीमती ममता राणा, श्रीमती प्रीती बड़ोला, श्रीमती विनीता व प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए।

कार्यक्रम के आरम्भ में सर्वप्रथम, निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि संस्थान द्वारा प्रत्येक वित्तीय वर्ष में भारत सरकार से स्वीकृत कार्य.योजना के अनुसार आवश्यक दिशा-निर्देशों के क्रम में व्यावसायिक कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। इस अवसर पर राज्यमंत्री मा. श्री बलबीर गुनियाल ने सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। अपने सम्बोधन में संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि मा. प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का सपना है कि हम सभी किसी न किसी कौशल में दक्ष हों। आज के समय में प्रत्येक युवा के

लिए स्किलिंग, रिस्किलिंग व अपस्किलिंग एक महती आवश्यकता है। कार्यक्रम में संदर्भदाता श्रीमती बरखा बहार और श्रीमती ममता राणा ने भी अपने अनुभव साझा किए। अन्त में निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम करनपुर : दिनांक 18.04.26 को सामुदायिक भवन सभागार करनपूर, देहरादून में संस्थान द्वारा संचालित प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थियों को मुख्य अतिथि डॉ. नाट्यभूषण लक्ष्मी नारायण जी द्वारा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि महोदय ने संस्थान के कार्यों की प्रशंसा किया। निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल ने बताया कि संस्थान भारत सरकार द्वारा स्वीकृत कार्य-योजना के अनुसार प्रति वर्ष व्यावसायिक कार्यक्रमों का संचालन करता है। इसका उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों में व्यावसायिक दक्षता के साथ-साथ सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रणालियों का ज्ञान और आस-पास के माहौल के प्रति जागरुकता पैदा करना भी है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ. नाट्यभूषण लक्ष्मी नारायण जीं ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का लाभ समाज के अन्तिम व्यक्ति को भी मिलना चाहिए, जिसके लिए वे स्वयं भी सतत प्रयासरत हैं। इस अवसर पर सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह तोमर व संदर्भदाता श्रीमती सीता जी ने भी अपने अनुभव साझा किए।

प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम शेरपुर : दिनांक 21.04.26 को पंचायत भवन सभागार शेरपूर, शिमला बाईपास, विकासनगर, देहरादून में विकास खण्ड विकासनगर के अन्तर्गत संचालित केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहसपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक प्रतिनिधि श्रीमती बबीता पुण्डीर जी, शेरपुर ग्राम सभा के प्रधान श्री दिलेराम जी, सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री कमला बिष्ट, संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल, सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह तोमर, संदर्भदाता श्रीमती लीला बर्मा, श्रीमती भागीरथी चौहान, श्रीमती कोमल वर्मा व प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती बबीता पुण्डीर ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आज के बदलते परिवेश में प्रत्येक युवा के हाथ में कुछ न कुछ हुनर होना जरूरी है। यह हुनर मात्र नौकरी पाने के लिए ही नहीं वरन् तेजी से बदलती दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए भी जरूरी है।

इस अवसर पर उपस्थित संदर्भदाताओं ने भी अपने विचार साझा किए। संस्थान के निदेशक महोदय के धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस विकास खण्ड-कालसी : मजदूर दिवस के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा विकास खण्ड कालसी के ब्यासभूड, देहरादून में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि क्षेत्र पंचायत सदस्य, सुश्री पूनम, पूर्व प्रधान सुश्री रेखा, संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल, मुख्य प्रशिक्षिका सुश्री सीमा, श्रीमती सीता भुजैल, श्रीमती मन्जू क्षेत्री तथा प्रशिक्षणार्थी व अन्य स्थानीय महिलाएं उपस्थित हुईं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि क्षेत्र पंचायत सदस्य सुश्री पूनम जी ने मई दिवस पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की प्रगति उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। जिस प्रकार एक मजबूत 'नींव' घर को खड़ा करने और सहारा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, उसी तरह समाज, देश, उद्योग, संस्था, व्यवसाय के निर्माण में श्रमिकों कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

संस्थान के निदेशक श्री असवाल जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि मजदूर दिवस का यह दिन उन मजदूरों को समर्पित करने का है, जो अपने कठोर परिश्रम से देश की प्रगति में अपना योगदान देते हैं। उन्होंने उपस्थित जनों को संस्थान द्वारा चलाए जा रहे व्यावसायिक कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस : दिनांक 21 जून, 2026 को जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा हनुमदधाम, बेलावाला, विकास नगर देहरादून में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती की वन्दना के साथ हुआ।

इस अवसर पर उपस्थित विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा संस्थान के कर्मचारियों को अपने जीवन में योग अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अपने सम्बोधन में कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। योग के नियमित अभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है, मानसिक शान्ति और एकाग्रता में बृद्धि होती है।

□□□

ग्रामीण आबादी अभिलेख–कैसे बनवाएँ घरौनी

उत्तर प्रदेश ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक-2025

उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक- 2025 को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इससे ग्राम भूस्वामियों के घरों के नियमित करने की प्रक्रिया आसान हो गई है। इस विधेयक में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार सरकार नवीनतम प्रौद्योगिकी तकनीकी का उपयोग कर ग्रामीण आबादी क्षेत्र का सर्वेक्षण कराती है। सर्वेक्षण के उपरान्त वहाँ के निवासी भूखण्ड स्वामी के नाम से स्वामित्व अभिलेख तैयार कर सम्बन्धित को उपलब्ध कराए जाते हैं। इसे 'घरौनी' कहा जाता है। इस योजना के तहत प्रदेश में नियमानुसार ग्रामीण आबादी का सर्वेक्षण कर एक करोड़ से अधिक भूखण्ड स्वामियों की घरौनियाँ बनाई और वितरित की जा चुकी हैं।

घरौनी क्या है : 'घरौनी' ही भूखण्ड स्वामी के स्वामित्व का प्रमाण है। खतौनी की तरह से यह घरौनी भी ग्रामीण क्षेत्र में आवासीय सम्पत्ति के मालिक होने का कानूनी प्रमाण है। इसमें घर के मालिक का नाम, पता आदि का विवरण उल्लिखित होता है। आबादी अभिलेख विधेयक पारित होने के बाद घरौनी को एक कानूनी अभिलेख के रूप में मान्य किया गया है। आवश्यकता पड़ने पर घरौनी से स्वामित्व में नाम बदलने, भूखण्ड के विक्रय और उत्तराधिकार आदि की प्रक्रिया भी आसान हो जाएगी। इससे अवैध कब्जे और सम्पत्ति के विवाद कम होंगे।

इस योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों का ड्रोन के माध्यम से सर्वे कर ग्रामीणों की आवासीय सम्पत्तियों अथवा भूखण्डों के दस्तावेज तैयार किये जाते हैं, जिन्हें कानूनी मान्यता प्रदान की गई है। यही दस्तावेज सम्बन्धित भूखण्ड स्वामी के स्वामित्व का प्रमाणीकरण भी मान्य किया गया है।

घरौनी से लाभ : इस 'घरौनी' के माध्यम से आवास स्वामी को सरकारी सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा साथ ही सरकार को सम्पत्ति कर निर्धारण तथा ग्राम पंचायत विकास योजनाओं को तैयार करने में भी सुविधा होगी। घरौनी के द्वारा ग्रामीणों को अपना मकान बनाने, मकान की मरम्मत कराने अथवा कृषि कार्य हेतु बैंक से ऋण प्राप्त करने में भी आसानी होगी।

इस योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के लगभग एक लाख दस हजार ग्राम आच्छादित है जिनके ड्रोन सर्वे का कार्य भी पूर्णता की ओर है। घरौनी में भूखण्ड अथवा आवास के मालिक का नाम-पता, भूखण्ड का विवरण, क्षेत्रफल, उसका मानचित्र आदि की सम्पूर्ण जानकारी होगी। घरौनियों को प्रत्येक ग्राम सभा के 'घरौनी रजिस्टर' के रूप में सुरक्षित रखा जा रहा है। प्रत्येक ग्राम सभा का अलग मानचित्र भी तैयार किया जा रहा है। प्रदेश में घरौनी रजिस्टर तथा मानचित्र के उत्तरदायित्व हेतु सम्बन्धित जिले के जिला अधिकारी को 'अभिलेख अधिकारी' नामित किया गया है।

कैसे बनवाएँ घरौनी : गाँव में प्रत्येक घर के मालिक को मालिकाना अधिकार देने हेतु सरकारी प्रमाण का पहचान पत्र घरौनी है। सामान्यतः सर्वे और पंचायत की बैठक में वंछित जाँच आदि प्रक्रिया पूरी करने के बाद घरौनी बन जाती है। परन्तु, यदि किसी आवासीय प्रकरण में कोई विवाद है तो सम्बन्धित अधिकारी विवाद के उभय पक्षों से बातचीत कर वांछित अभिलेख आदि की सम्यक जाँच के बाद उसका समाधान निकालते हैं। इसके लिए जांच अथवा सर्वे की रिपोर्ट सम्बन्धित ग्राम में सार्वजनिक की जाती है। सार्वजनिक किए गए सर्वे पर यदि कोई आपत्ति होती है तो राजस्व अधिकारी जाँच कर उस आपत्ति का निस्तारण करते हैं। इसके बाद घरौनी में तेरह अंको का एक यूनिक आईडी नम्बर दिया जाता है। इस यूनिक आईडी के पहले छः अंक गाँव का कोड, इसके बाद के पाँच अंक मकान अथवा भूखण्ड का नम्बर तथा अन्तिम दो अंक सम्पत्ति के विभाजन की जानकारी प्रदर्शित करते हैं। इस प्रकार सम्यक जाँच के उपरान्त भूखण्ड स्वामी के नाम से घरौनी बनाई जाती है।

□□□

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.), निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की वेबसाइट- www.indialiteracyboard.org पर उजाला- ई न्यूज़ लेटर के रूप में प्रकाशित।
सम्पादक : सुधीर कुमार श्रीवास्तव